

PAGE-2
CUET UG 2025 :
Comprehensive
Guide to Exam

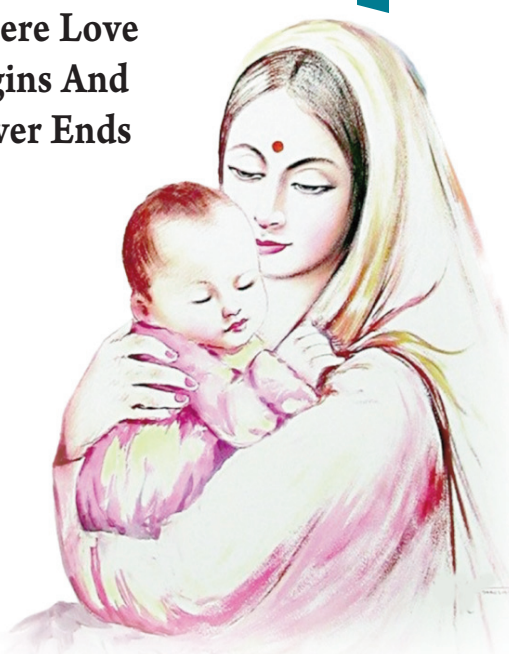


PAGE-3
Summer Camp:
Boon for Personality
Development



PAGE-5
The Forgotten
Vows in Indian
Marriages

Where Love
Begins And
Never Ends



IMS. TODAY

► Issue – 11, Year – 12

► Ghaziabad, 9th May-2025

► Language – Hindi & English/ Monthly

► Pages – 8, Price : ₹2

www.imsec.ac.in



AI ki
Duniya

• Arpita Mishra

Artificial intelligence (AI) is no longer a futuristic concept-it's a powerful force actively reshaping industries, societies, and daily life. From smart assistants and autonomous vehicles to personalized healthcare and predictive analytics, AI is transforming how live and work.

Generative AI (GenAI) has transitioned from experimental tools to essential business assets. A McKinsey survey reveals that 71% of organizations now regularly use GenAI in at least one business function, up from 65% in early 2024. C-level executives are leading this adoption, with 53% reporting regular use of GenAI at work. AI is enabling businesses to operate continuously, overcoming human limitations like fatigue and scheduling constraints. This "always-on economy" allows companies to meet customer needs instantly and emphasizes the importance of immediate response and continuous engagement.

AI is already embedded in our lives. Voice assistants like Alexa, personalized feeds on social media, and even fraud detection in banking rely on AI. In education, its power adaptive learning platform that tailor content to each student's needs. The AI world is still evolving. Innovations in general AI, computing, and brain-computer interfaces hint at even more transformative changes ahead. As we move forwards, balancing innovation with ethical responsibility will be crucial to ensuring AI benefits everyone.

इमोशनल्स ऑन स्क्रीन: बदल जाएगा आपका जीवन

आभाशु द्विवेदी

नई दिल्ली। सुबह जब आँखें खुलीं तो हाथ फोन को तलाश रहे थे, पर फोन नहीं मिला और न ही नोटिफिकेशन की घंटी टन-टनाई। लेकिन बिस्तर से उठकर जैसे ही चश्मा लगाया, पूरी दुनिया जगमगाने लगी। कुछ ऐसा लगा जैसे मैं किसी और दुनिया में पहुँच गया हूँ। वचुअल चश्मा पहनते ही सामने तैरने लगे नोटिफिकेशन, मैसेज, मीटिंग रिमाइंडर और दोस्तों की दुनिया। यह मैं आपको कोई साइंस फिक्शन नहीं सुना रहा हूँ। यह मेरी परिकल्पना है जिसके माध्यम से मैं सोशल मीडिया के



आगामी स्वरूप को देखने की कोशिश कर रहा हूँ। ऐसा आभास हो रहा है कि आने वाले कुछ समय में संभवतया कुछ ऐसा ही होने वाला है।

दरअसल, हाल ही में मेटा और रे बैन ने ऐसे स्मार्ट चश्मे लॉन्च किए हैं, जो कैमरा और माइक्रोफोन से लैस हैं और वचुअल जानकारी प्रदान करते हैं। इस तकनीक को 'एआई ग्लासेस' कहा जा रहा है। यह सोशल मीडिया के अनुभव को एक नई दिशा देने में सक्षम है। जिस प्रकार से चीजें चल रही हैं, उससे भविष्य में सोशल

मीडिया सिर्फ देखने या पढ़ने का ही माध्यम नहीं रह जाएगा बल्कि यह एक अनुभव बन चुका होगा। वचुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) मिलकर एक ऐसी दुनिया गढ़ेंगे, जहाँ हम न केवल दोस्तों की तस्वीरें देखेंगे, बल्कि उनके वचुअल अवतार के साथ घूम फिर सकेंगे, कॉफी पी सकेंगे, वहाँ तक कि खेलकूद सकेंगे। यह सब घर पर बैठकर संभव हो जाएगा। फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म नए 'डिजिटल शहर' बन जाएंगे, जहाँ आपका 'डिजिटल मैं' आपके रिश्तों और अनुभवों को जिएगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने Mesh नामक एक प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है जो हॉलोग्राम और मिक्सड रियलिटी की

डीपफेक का प्रभाव

मार्च 2024 में लोकसभा चुनावों से ठीक पहले सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हुए, जिनमें बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान और रणवीर सिंह कांग्रेस का समर्थन करते और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ वोट देने की अपील करते दिखे। ये वीडियो इतने असली लग रहे थे कि लाखों लोगों ने इन्हें तुरंत सच मान लिया। हालाँकि बाद में इन दोनों अभिनेताओं ने बयान जारी कर बताया कि ये वीडियो पूरी तरह फर्जी हैं।

नैरेटिव सेट कर दिया

एक और गंभीर मामला 2024 में सामने आया, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें उन्हें यह कहते हुए दिखाया गया कि अगर बीजेपी सत्ता में आई तो OBC, SC और ST समुदायों का आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा। बाद में जांच में यह सामने आया कि वीडियो को एडिट कर अमित शाह के असली भाषण से कुछ शब्दों को हटाकर और जोड़कर यह भ्रम पैदा किया गया था।

लेकिन पारदर्शिता की है कमी

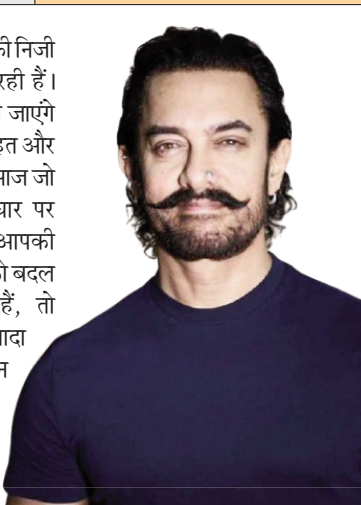
इमोशन एआई, जिसे अफेक्टिवनल कम्प्यूटिंग भी कहा जाता है, मानव भावनाओं को पहचानने और विश्लेषण करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करता है। हालाँकि, यह तकनीक कई गोपनीयता और नैतिक चिंताओं को जन्म देती है, विशेष रूप से जब यह बिना स्पष्ट सहमति के व्यक्तिगत भावनात्मक डेटा एकत्र करती है। AI-संचालित साथी ऐप्स, जैसे रैपलिका और पैराडॉट उपयोगकर्ताओं को भावनात्मक समर्थन और कंपनी प्रदान करते हैं। हालाँकि, इन ऐप्स के उपयोग से जुड़े गोपनीयता और नैतिक चिंताएँ हैं।



मदद से डिजिटल सहयोग का अनुभव प्रदान करता है। इससे कंटेंट का स्वरूप भी पूरी तरह बदल जाएगा। आज फोटो, वीडियो और टेक्स्ट स्टोरीज चलती हैं। आने वाले समय में होलोग्राम पोस्ट्स, थ्री डी वचुअल कहानियाँ और एआई से बने इंटरएक्टिव अनुभव आम होंगे। सोशल मीडिया सिर्फ देखने की नहीं, बल्कि जीने की चीज बन चुकी होगी। आपके फॉलो किए हुए ट्रैवल ब्लॉगर के पोस्ट में आप खुद उनके साथ वचुअली ट्रेक कर सकेंगे और घूम सकेंगे। हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू के अनुसार, कंपनियाँ 'इमोशनल

एआई' का उपयोग कर लोगों की निजी भावनाओं का विश्लेषण कर रही हैं। इससे एल्गोरिथ्म इतने स्मार्ट हो जाएंगे कि वे आपके मूड, आपकी सेहत और आपके सपनों को भांप लेंगे। आज जो फीड आपकी रुचि के आधार पर सजती है, भविष्य में वह आपकी भावनाओं के मुताबिक खुद को बदल लेगी। अगर आप उदास हैं, तो मोटिवेशनल कहानियाँ ज्यादा दिखेंगी। अगर आप ऊजावान हैं, तो नए अवसर और चुनौतियाँ आपके सामने रखे।

शेष पेज-2 पर



Practical Based Skills Are Required Besides Knowledge

Arya kumari

New Delhi: Traditional teaching techniques involve rote learning memorization, recitation and lecture method. These methods emphasize on teacher-centric instructions followed by students. In traditional classrooms, teachers create an environment where students maintaining strict rules and regulations here by focusing on structured learning.

In traditional teaching, education defines interaction through textbook learning. These versions of teaching techniques are now fading into the past. 21st century educators are now embracing new era of technologies to equip students with practical based skills besides subjective or theoretical knowledge. Effective teaching techniques differentiating and fostering the students critical thinking, problem-solving ability and learning styles.

Learning ability of every student depends on various factors such as some students are auditory learners, while others are visual scholars in which effective teaching method provides flexibility and ensure that every student

► On 1st April 2025, CBSE has declared 50 hours of annual teaching training for school teachers which aligned with the goals of NEP 2020 (National, Education, Policy)

Training mainly focusses on 3 keys area

- Core value and ethics (12 hours)
- Knowledge and practice (24 hours)
- Professional growth and development (14 hours)

► The authority has chosen STEM (Science, Technology, Engineering and Mathematics) education as an annual theme for training. the initiatives aim to ensure high quality of education.



meet the exceptional curriculum learning access.

The NEP 2020 (National Education Policy) of India brings an effective and dynamic approach of teaching techniques with aim to embrace new learning activities.

- NEP 2020 encourages teachers to adopt the concepts of real-life learning activities and examples.
- In this digital era, teaching must be focussed

on innovative pedagogies such as group discussions, real world projects, experiential learning and storytelling.

- Teaching techniques should promote multidisciplinary learning methods to upgrade education among students.
- For kids at too early an age, NEP promotes play activity-based learning beyond typical classroom instructions.
- NEP embraces discussion and questioning

based teaching techniques for students.

- NEP updated CPD (Continuous Professional Development of Teachers) with highly skilled innovative teaching methods as a training.
- NEP 2020 Promote involvement of technological advancements in teaching such as AI based learning, e-content and various form of digital tools making learning and teaching more interacting among students.

मां-बाबा बोलने से पहले कथक के बोल बोले: रागिनी महाराज



एक क्लासिकल बैकग्राउंड से होने के कारण आपके घर का माहौल बचपन में कैसा हुआ करता था ?

हमारे घर पर हम मां या बाबा बोलने से पहले कथक के बोल पहले बोला करते थे। क्योंकि हम एक क्लासिकल बैकग्राउंड से हैं तो हमारे घर पर एक संगीत का माहौल हुआ करता था, उसी के बारे में हमेशा बातें हुआ करती थीं।

क्लासिकल बैकग्राउंड से होने के अलावा ऐसी कोई चीज है जिसने आपकी कथक की और रुचि जगाई हो ?

मैं अपने परिवार की नौवीं पीढ़ी से हूँ जो कथक कर रही हूँ। रुचि किसी और चीज में ऐसी थी नहीं क्योंकि हमारे खून में कथक था। बचपन से यही था कि करना तो डांस ही है, क्योंकि दादा (बिरजू महाराज) उनका और ही इतना सशक्त था कि आप चाह कर भी भटक नहीं सकते थे।

बिरजू महाराज जी की ऐसी कोई सीख जिससे आप बहुत प्रभावित हुई हो और आज भी होती है ?

बहुत सारी उनकी बातें हैं जो मुझे याद आती रहती हैं। वह आज हमारे बीच नहीं हैं फिर भी मैं रोज ही उनकी बातें याद करती रहती हूँ। एक बड़ी सुंदर बात उन्होंने मुझे बोली थी



कि आप रोज अपने आप को कम से कम दस मिनट जरूर दें। दादा बोलते थे कि अगर आप अपने आर्ट को रोज दस मिनट दें तो वह बड़ा ही फल

देगा। वह एक बात और कहते थे कि मैं जहां देखा हूँ कि मुझे मेरे कृष्ण नजर आते हैं, इसलिए मैं आज भी कोशिश करती हूँ कि जब मैं एकल

नृत्य करती हूँ तो मुझे कृष्ण तो नहीं पर दादा नजर जरूर आ जाते।

आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सस कैपस) के विद्यार्थियों को, जो देश का भविष्य है उन्हें क्या संदेश देना चाहेंगी ?

मैं संदेश तो यही देना चाहूँगी कि आप जो भी प्रोफेशन जिंदगी में चाहें, वह म्यूजिकल हो या नॉन म्यूजिकल हो, अगर आप उससे प्यार करेंगे तभी आप उसे कर पाएंगे। दूसरी चीज, संगीत की बात करूँ तो यह एक ऐसी चीज है जो आपको एक ताजगी भरा ब्रेक देगा और आपको रिचार्ज कर देगा। काम को गंभीरता से करने के लिए जिंदगी में संगीत होना चाहिए।

Guest Editor of This Issue



From the
Editor's desk

Sonia Chaudhary
(Principal) Modern National
Public School Krishna Nagar,
Meerut Road, Ghaziabad.

Empowering Youth: Unlocking Potential for a Brighter Future

Youth empowerment is a process where young people are encouraged to take charge of their lives. They do this by addressing their situation and act to improve their access to resources and transform their consciousness through their beliefs, values and attitudes.

It is a concept that has gained significant attention in recent years, for good reason. The youth, often defined as individuals between the ages of 15 and 29, represent not only the future, but also the driving force of our society; they constitute approximately 16 percent of the world's population. In India, the youth aged 15-29, make up roughly 29%. India has one of the youngest populations in the world with the median age of 28.4 years. Youth possess boundless energy, creativity, and the potential to shape the world in ways we can only imagine. However, to harness this potential and ensure a brighter future for all, it is imperative that we prioritize youth empowerment in our society. Youth empowerment is a multifaceted concept that encompasses various aspects of young people's lives. It involves providing them access to quality education, creating opportunities, promoting mental health awareness and fostering inclusive environment. Community programs that focus on skill development, mentorship and civic management can also significantly empower youth. The beneficial outcomes to youth empowerment are improved social skills, improved behavior, increased academic achievement, increased self-esteem and increased efficacy. By empowering them with education and resources, we enable them to think outside the box and come up with novel solutions to complex problems. This creativity can drive advancements in technology, science, and the arts, benefiting society.

By valuing the perspectives and contributions of young people, we create a more inclusive and harmonious society. Encouraging youth involvement in politics and governance not only revitalizes democracy but also ensures that policies and decisions are made with the interests of all generations in mind.

Continued on Page 2...

CUET UG 2025: Comprehensive Guide to Exam



Anshika

New Delhi: CUET was introduced in 2022 by NTA (national test agency). Which is scheduled every year. It provides a platform at central level for students to enter different universities in India. NTA has officially announced the CUET exam date for 2025 on its official website. The CUET exam date of 2025 is scheduled from May 8 to June 1, it will be conducted in Multiple slots depending on the number of register candidates. The last date of registration for CUET was 22 March 2025.

Eligibility Criteria

►Candidates must have secured at least 55% in their 12th grade examination with recognised board. For SC/ST the required minimum percentage is 50%.

►There is no age limit, but the candidate will be required to fulfil the age criteria above than 17 years.


Result

Every year the result of CUET is declared by the end of July or beginning of August.

UGC announces major changes in CUET-UG 2025 for the next session

The university Grants commission (UGC) has announced a series of significant changes to the Common University

Key changes announced for CUET-UG2025: Then Vs Now		
Aspects	Previous Norm	Changing 2025
Exam mode	Conducted in hybrid mode (computer based and pen & paper).	Will be conducted exclusively in computer based test(CBT) mode.
Number of subjects	63 subjects available for selection.	Reduced to 37 subjects admissions for dropped subjects to rely on (GAT) scores.
Subjects selection	Candidates could choose up to six subjects.	Candidates can now choose up to five subjects.
Flexibility in subjects choices	Candidates could only option for subjects studied in class 12th.	Candidates can select subjects. They have not studied in class 12th.
Exam Duration	Varied between 45 minutes to 60 minutes depending on the subjects.	Standardized to 60 minutes for all subjects.
Questions format	Included optional question in some sections	All questions will now be compulsory



(CUET)
COMMON UNIVERSITY ENTRANCE TEST

Entrance Test for Undergraduates. CUET-UG 2025, aimed at improving its efficiency and standardising the admission process further.

Shift to CBT mode

►The CUET-UG 2025 will be conducted entirely online, using computers. This eliminates the possibility of paper leaks and other issues that affected previous exams.

►This change aims to streamline the exam process and reduce complexity for students.

Subjects choice flexibility

►Students are now permitted to choose subjects for the CUET-UG exam that they did not study in their class 12 syllabus.

►The change offers greater flexibility to students in choosing subjects along with their interests and course preferences.

Other changes

►The exam duration has been standardized to 60 minutes for all subjects.

►NTA has also made changes to the syllabus for certain subjects.

►The marking scheme remains the same plus 5 for each correct answer and minus 1 for each incorrect answer.

improve exam security, reliability, and efficiency.

Reduced number of subjects

►The total number of subjects has been reduced from 63 to 37

►The reduction aims to

A Session Organized on Mental Health



IMS News Service

Ghaziabad: Ghaziabad Management Association has organized a talk on Brain/Mental Health at IPED, Ghaziabad. The session was taken by Dr Prof (Brig) YS Sirohi. Dr Sirohi is Professor Medicine and Neurology.

A brief introduction to the structure and function of Brain and its components was given by Dr Sirohi. He also deliberated on the types of disorders affecting the

Skill-Based Courses Focus on the Exact Skills

Gyanvi

New Delhi: In today's era of constant innovation, an increasing number of students in India are replacing academic degrees with skill-based courses. This change is not just popular right now-it shows how students are starting to think differently about jobs, education, and what they want in the future. One main reason that many students are shifting to skill-based courses is that they want real skills which will help them to get hired, not just earning a degree. Earlier a college degree meant a good future, but these days students and parents are realizing that having a degree does not mean a sure shot job.

On the other hand, skill-based courses focus on the exact skills that companies need. This includes things like data analysis, digital



50 certificates, 10 medals but no internship:

►Bisma Fareed, a BA English (Honors) student at Hansraj college Delhi University, said in her post that SKILLS matter more than MARKS. Companies don't want to hire toppers with no skills.

►She further added that from 50+ certificate, 10+ medals, 10+ trophies, none helped me in my internship interviews.

marketing, graphic designing and coding. These useful skills will help students to apply as soon as

they start working. With so much job competition, students aim to be ready for the job soon after completing their courses.

There are many institutes in India as well that provides skill-based courses and offer job guarantee to the students. These institutions are aiming to change the old education system and promise to give certificates and employment at the end of the course. Some names of the institution are Masai school, Newton school, and Pesto Tech. These institutions not only teach useful skills but also link students to companies that are hiring.

With government scheme like Skill India and support for edtech startups, India is trying to take similar steps. The motive is to get young students ready for jobs not just in India, but around the world.



Jiya Chaudhary

SCI-TECH WORLD

Himalayas splitting: Scientists say Earth's surface under the region is pulling apart

Scientists have found that the Indian plate is actually breaking into two deep beneath Tibet — about 100 kilometers down. They shared this discovery at a major conference in San Francisco. The research was led by Lin Liu from China's Ocean University. His team used seismic imaging to track the plate's movement and found signs that a layer deep within the Earth is peeling away — a process known as delamination. Delamination means the heavy lower part of the plate is sinking down, while the lighter upper layer keeps drifting above it. It's a rare event, especially when two continents collide like this.

Ancient crocodile that ruled the Earth revealed

A new study has revealed exciting details about Deinosuchus, a massive “terror crocodile” that once dominated the waters of ancient North America 82 to 75 million years ago. This massive predator was so powerful, it even hunted dinosaurs. Researchers now have a better understanding of what made it one of the most fearsome creatures to ever live. Unlike today's crocodiles and alligators, which mainly live in freshwater, Deinosuchus could thrive in saltwater, making it a more adaptable and widespread predator.

An 11-million-year-old panda fossil has been discovered in Germany

A major discovery in southern Germany is giving scientists new clues about the giant panda's past. Researchers found the fossil of Kretzoiarctos beatrix, an ancient ancestor of today's panda that lived about 11 million years ago. Unlike modern pandas, it didn't just eat bamboo—it had a mixed diet of plants and meat. This is the first clear proof that early pandas once lived in Europe and weren't strict herbivores.

Continued Page 1...

इमोशन ऑन स्क्रीन...

यहां सुनने सपने तो हैं लेकिन कुछ डरावने सच भी छुपे हुए हैं। जरा सोचिए, जब सोशल मीडिया आपके दिमाग और दिल की भाषा समझने लगेंगी, तब आपकी निजता (प्राइवसी) पर कितना बड़ा खतरा बन जाएगा। फेक न्यूज़ और डीपफेक जैसी तकनीकें भी इतनी एडवांस हो जाएंगी कि असली और नकली में फर्क करना आम इंसान के लिए लगभग नामुमकिन हो जाएगा। इससे समाज में भ्रम और अविश्वास का खतरा भी बढ़ेगा। सरकारों को, कंपनियों को और खुद यूजर्स को एक नई डिजिटल नैतिकता बनानी होगी ताकि टेक्नोलॉजी इंसानियत के लिए काम करे, न कि उसे अपने शिकंजे में जकड़ ले। नियम-कानून भी नए जमाने के हिसाब से विकसित करने होंगे, जहां डेटा सुरक्षा, फेक कंटेंट को पहचान और डिजिटल वेलेनेस सबसे बड़े मुद्दे बनेंगे। भविष्य की सोशल मीडिया एक नई दुनिया होगी, ज्यादा वुडूअल, ज्यादा पर्सनल और कहीं ज्यादा ताकतवर।

Empowering Youth...

Youth empowerment plays a crucial role in economic growth and sustainability. Our future depends on the abilities, creativity, and energy of the young generation. By investing in their education, providing opportunities for personal and professional growth, and involving them in decision-making processes, we not only secure a brighter future but also create a more inclusive, innovative, and harmonious society.

“My hope of the future lies in the youths of character, intelligent, renouncing all for the service of others, and obedient good to themselves and the country at large.”- **Swami Vivekanand**

2nd International Conference on Sustainable Business Practices & Innovative Models

IMS News Service

G h a z i a b a d : A n International Conference on Sustainable Business Practices & Innovative Models was organized by Christ University in Collaboration and sponsored by Ghaziabad Management Association on 23-24th April 2025. During the conference 6 panel discussions were held. One of the panel discussion on theme



“Innovative Business models for scalable impact in Achieving UN sustainable Development Goals” was

conducted by Dr. Abhinav Priyadarshi Tripathi, with 5 panelists. One of the panelists was Mr. Rahul Agrawal, ED GMA. The deliberation was on AI-Powered business models solving SDG guidelines and sustainability manufacturing a reality in 2025 versus industries still chasing Profits over Planet. Over 200 delegates including faculties and students from various universities participated.

HR Conclave 2025 : Future of HR : Talent, AI & Skill

IMS News Service

Ghaziabad: A “HR Conclave 2025 “Future of HR: Talent, AI & Skills” Was organized by Ghaziabad Management Association in association with IPED, Ghaziabad. The purpose of the conclave was to discuss future-ready skills needed by both HR professionals and the wider workforce, to rethink strategies for attracting, developing, and retaining top talent in an



AI-driven world, to promote continuous learning and agile L&D programs to future-proof the workforce, to discuss the evolving role of HR in balancing automation with

practices and position HR as a key driver of change and innovation within organizations. Students found the conclave to be insightful, engaging, and highly relevant to the current and future landscape of Human Resources. The integration of AI in HR practices, evolving talent needs, and upskilling strategies were particularly appreciated. The conclave was attended by 145 students, faculty and GMA members.

Refresher Course on Energy Auditors & Energy Managers

IMS News Service

Ghaziabad: Two days' workshop for Refresher course of certified energy auditors and energy managers of BEE was organized by Ghaziabad Management Association in association of Green Tree Global at IMT, Ghaziabad. Under the Energy Conservation Act, 2001, the Energy Conservation Building Code & Refresher Course has been launched by the Bureau of Energy



Efficiency (BEE), Government of India. A total of 30 participants attended the workshop including practicing Energy Auditors, Energy Managers, and subject experts, along with eminent trainers and industry professionals. Dr. R K Yadav GM (Green Energy) and

GMA Organized National Conference

IMS News Service

Ghaziabad: The National conference was organized by IMS Ghaziabad in collaboration with Ghaziabad Management Association on 25-26th April 2025 at IMS Ghaziabad. The conference received an overwhelming response with 170+ research paper presentations and 120+ poster entries, featuring participation from 22+ esteemed institutions across



India. Participants presented across 11 dedicated tracks in the areas of Marketing, Finance, Human Resource, Operations, and Business Analytics. A panel discussion was conducted. The

difference between AI and AGI were discussed. AGI is still theoretical and can do equal to cognitive capability. Therefore, AGI is the next big leap in AI and AGI is a strategic frontier. AGI is changing corporate diplomacy and it can lead to control of global defense systems, economies, which is a serious geopolitical clout. A global cooperation, ethical guidelines and inclusive

access is needed to avoid force of division and not a unity. The panel discussion which was moderated by Dr. Jolly Phillips, and the panelists were Dr. Kshitij Sharma, (Head, Ericsson), Mr. Sachin Shrama (Ass Dir, KPMG), Ms. Garima Nanduri (CIO & Founder, Pb Financial Services), Dr. Kiran Preet (Head HR, ShipGlobal), Prof. Rakesh Raut and Rahul Agrawal (ED GMA).

Exploring the Depths: Discovering the Secrets of the Leviathan



Pallavi Bhardwaj

New Delhi: An unusual trend of deep-sea creatures, usually found in the ocean’s deepest areas, are now showing up closer to the surface and even coming ashore has caught the interest of both scientists and the general public. Does Leviathan really exist? Is Leviathan coming up to the

surface in 2026? Why these creatures coming up to surface? We will find out all these answers in this article. With the reports of deep sea creatures appearing near the surface both marine scientists and online communities wonder if these occurrences are linked to the ancient legends of this mysterious beast. In February 2025, a black

sea devil, a type of deep-sea anglerfish, was captured on film near the surface of the ocean off Tenerife, Spain. This marked the first recorded live sighting of the elusive creature in daylight. Similarly a remarkable event took place when a shimmering oarfish, a species rarely seen near the surface was spotted in Mexico’s Pacific coast in Baja

Leviathan

Traditionally portrayed in myths and stories as a gigantic sea monster with great strength, remaining an enigmatic figure throughout history. In the Bible, Leviathan is depicted as a sea serpent representing chaos, power, and the might of God. It also serves as a symbol of Satan, embodying disorder and destruction leading to end of the world.

California Sur. These events led to the discussions on social media with users speculating the reasons behind this incident and coming up with theories of ‘Leviathan’. The sensational claims regarding Leviathan coming up to surface in 2026 leading to end of the world also goes on circulating on the social

media platforms whereas according to the scientist there is no credible evidence and data about leviathan and it’s rising on surface in 2026 leading to end of world.

Reasons behind creatures coming to surface

Change in water temperature:- Changes in climate, volcanic activity beneath the ocean, or shifts in ocean currents can drive deep-sea animals into shallower areas where they struggle to survive. **Low Oxygen Levels (Hypoxia):-** Pollution, and natural decreases in deep-sea oxygen can drive marine life to migrate to shallower waters where oxygen levels are higher. **Magnetic or Pressure Changes:-** Some species find their way by detecting Earth’s magnetic fields or changes in pressure. They can become disoriented due

to solar storms, deep-sea mining, or other disruptions. **Unusual Currents or Upwelling :-** Sometimes, powerful ocean currents or upwelling events can accidentally lift deep-sea creatures to the surface. **Underwater Earthquakes or Volcanic Eruptions :-** Seismic activity can disrupt deep-sea habitats, forcing creatures toward the surface. A significant presence of deep-sea creatures at the surface indicate an environmental issue that needs further examination. The above mentioned all the reasons are attributed by the scientist as the reasons for deep sea creatures coming to the surface. Till now, the sensational claims and conspiracy theories about this incident and leviathan that are circulating online are not based on peer-reviewed research or observations by the scientific community.



HITAM Launches Integrated Twinning Program to Nurture Future-Ready Engineers



The Hyderabad Institute of Technology and Management (HITAM) has introduced its International 3+1+1 Integrated Twinning Program, designed to provide students with a global academic experience. Under this the students will complete three years of undergraduate study at HITAM in India, followed by one year at a leading international university to finish their B.Tech and after that they can pursue an additional year of master’s studies at the same institution. Graduates will earn a B.Tech degree from JNTUH and a Master’s degree from a globally recognized university. The program is backed by strategic partnerships with renowned institutions such as the Milwaukee School of Engineering (MSOE), the University of Alabama in Huntsville (UAH), and George Mason University (GMU).

MDI Gurgaon Invites Applications for 18-month PGDM-BM Programme 2025

Management Development Institute (MDI) Gurgaon has officially opened applications for its Post Graduate Diploma in Management – Business Management (PGDM-BM) Programme for the 2025 intake. The 18-month AICTE-approved, and AMBA-accredited Programme is meticulously designed for mid-career professionals aiming to sharpen their leadership skills, strategic thinking, and ability to tackle contemporary business challenges. The PGDM-BM Programme at MDI Gurgaon combines academic rigor with real-world relevance.

C.K. College of Engineering and Technology Secures 10-Year UGC Autonomous Status

Located in Cuddalore, Tamil Nadu, CKCET’s autonomy empowers the institution to independently design curriculum, introduce industry-aligned courses, emerging technology modules, and implement flexible real-world pedagogy through initiatives that empower students to take ownership of their learning journey. The college is also set to launch a blended program with specializations in Artificial Intelligence (AI), preparing students for the evolving global job market.



Pallavi Bhardwaj

New Delhi: Summer camps are structure programs designed to provide children, teens and sometimes adults with educational, recreational, or skills-building experiences during the summer months when school is out through unique experiences and challenges, camps help children and teens build essential life skills that shape their character and future. **Encouraging independence** Its helps build confidence, responsibility, and problem-solving skills. When individuals are given the

space to make decisions, take risks, and learn from their experiences, they become more self-reliant and capable. **Enhance social skills** Social skills are essential for navigating personal and professional environments, and fostering a sense of connection with others. Whether in school, the workplace or in casual setting individuals with strong social skills are better equipped to collaborate, resolve conflicts and engage with diverse groups of people. By actively improving these skills, individuals can create a more

Boon for Personality Development



positive and supportive environment for themselves and those around them. **Promoting leadership and responsibility** When people are encouraged to lead and take responsibility, they develop

confidence, resilience, and a stronger sense of purpose. These traits are essential for success in schools, the workplace, and life in general. Many camps assign roles or duties that require campers to take responsibility, such as being

a group leader or helping with chores. These opportunities cultivate leadership and teach accountability. Summer camps play a significant role in personal development by offering a unique environment where individuals can grow

outside of their usual routines. Through new experience, challenge, and social interaction, camps build confidence, independence, leadership, and teamwork skills and to prepared to face future challenges with a strong sense of self.

Sudoku

3		5		7			2	6
7		6	9					1
		1	6			4	7	
		3			4			8
6			5			3		
2				8		1		7
	7		2				8	
1	6			8			3	4
			4					



Your Health, Your Way: Smart Tips for Everyday Living



Anjali Singh

IN today’s busy world, making time for daily exercise is essential for all age groups—children, adults, and the elderly. For children and teens, incorporating fun physical activities like cycling, dancing, or team sports helps build strong bones and muscles while boosting mental focus. Encourage

them to take breaks from screen and include at least 60 minutes of active play each day. Adults, juggling work and home, can benefit from short but consistent workouts—like brisk walking, yoga, or strength training for 30 minutes. Scheduling exercise like any other appointment, even splitting it into 10-minute bursts throughout the day, makes it more

"Exercise is not just about adding years to your life—it's about adding life to your years."
- Dr. Maya Reynolds, Wellness Expert

"Exercise is the most powerful prescription I write—no side effects, just stronger bodies and sharper minds."
- Dr. Raj Mehta, General Physician

"Daily exercise is not just about burning calories; it's about igniting energy, boosting immunity, and balancing hormones."
- Dr. Neha Suri, Endocrinologist:

manageable. For the elderly, gentle routines like stretching, walking, or chair exercises help maintain mobility, reduce joint pain, and improve balance. Morning routines or light evening walks can easily fit into their daily schedule. No matter the age, the key is to choose activities you enjoy and set a realistic time each day. A little movement every day goes a long way toward a healthier, happier life across all generations. **DAILY EXERCISE → IMPACT ON THREE GENERATIONS** **Children & Teens** ▶ Stronger Bones & Muscles ▶ Improved Concentration & Academic Performance ▶ Healthy Growth & Development ▶ Better Mood & Confidence ▶ Prevention of Childhood Obesity **Adults** ▶ Improved Heart Health & Blood Pressure ▶ Weight Management ▶ Stress Reduction & Mental Clarity ▶ Increased Energy Levels **Elderly** ▶ Maintains Mobility & Balance ▶ Reduces Risk of Falls ▶ Improves Memory & Cognitive Health ▶ Alleviates Joint Pain (e.g., Arthritis) ▶ Boosts Mood & Combats Loneliness No matter your age, daily exercise is a timeless investment in your health. From playful steps in childhood to power walks in adulthood and gentle stretches in later years—movement is the thread that weaves vitality into every stage of life. Make time, not excuses, because your body is the only place you truly live. Start today—stronger, healthier, and happier days await!

Knowledge

Solve Quiz No. 127

For Students

Solve the following quiz and reply promptly through email. Names and photos of students who answer correctly will be published in IMS TODAY. IMS Engineering college students can provide reply through personal submission-Editor. Email imstoday.imsec@gmail.com

1. What is the unit for measuring the amplitude of a sound?
a) Decibel
b) Coulomb
c) Hum
d) Cycles

2. Fathom is the unit of
a) Sound
b) Depth
c) Frequency
d) Distance

3. Light year is a measurement of
a) Speed of aeroplane
b) Speed of light
c) Stellar distances
d) Speed of rockets

4. Very small time intervals are accurately measure by
a) White dwarfs
b) Quartz clocks
c) Atomic clocks
d) Pulsars

5. 'Bar' is the unit of
a) Temperature
b) Heat
c) Atmospheric pressure
d) Current

6. A chronometer measures
a) Color contrast
b) Sound waves
c) Time
d) Water waves

7. Knot is a unit of speed of which of the following?
a) Aeroplane
b) Light wave
c) Ship
d) Sound waves

8. Which type of fire extinguisher is used for petroleum fire?
a) Powder type
b) Liquid type
c) Soda acid type
d) Foam type

9. Rayon is chemically
a) Cellulose
b) Pectin
c) Glucose
d) Amylase

10. The type of glass used in making lenses and prisms is
a) Jena Glass
b) Soft Glass
c) Pyrex Glass
d) Flint Glass

Participation format

Quiz No.
Name of Student
(also attach your PP size Photo)
Class. Year.....
College a/c
Mobile number.....
Email.....
Present Address.....
Permanent Address.....

Answers (QUIZ-126) April, 2025 issue:
1 2 3 4 5 6 7 8 9 10
b b b c a d c d d a

Prepared By: Prof. Pradeep Kumar, Assistant Professor (AS&H)

NISAR: Earth’s All-Weather Watchful Eye

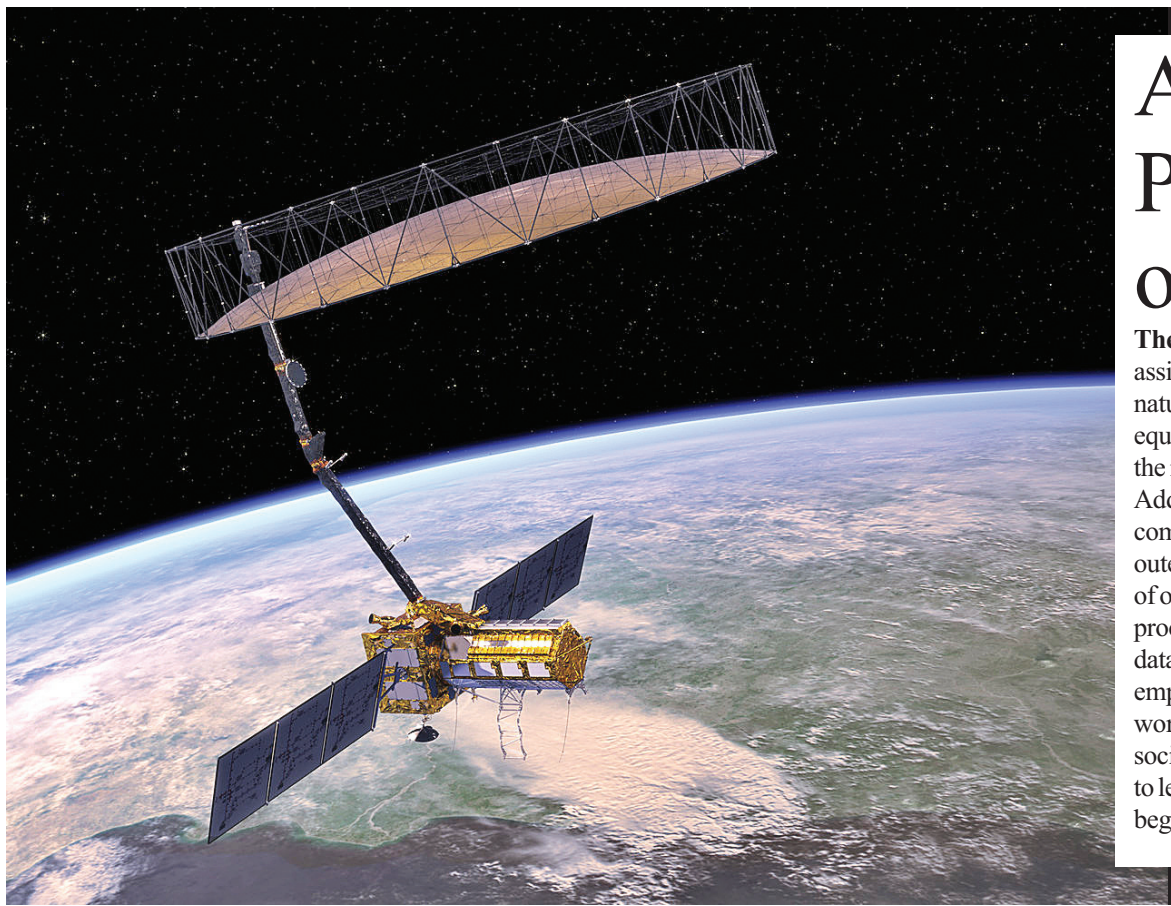
NISAR (NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar) is a collaborative Earth-observing initiative between NASA and the Indian Space Research Organization (ISRO), aimed at making global measurements related to the causes and effects of changes in land surfaces through advanced radar imaging technology. This mission concept and the resulting collaboration originated from the National Academy of Science’s 2007 assessment of Earth’s observational priorities for the upcoming decade, referred to as the decadal survey. One of the key priorities highlighted in this survey was the need for data and insights in three areas of Earth sciences: ecosystems, the deformation of Earth’s crust, and cryospheric sciences. NISAR will be the first of its kind, utilizing radar in space to systematically map the Earth by employing two distinct radar frequencies (L-band and S-band) to detect surface changes, including movements as small as a centimetre. Synthetic aperture radar (SAR) is a technique used to create high-resolution images from a radar system that has limited resolution. As NASA and ISRO explored the potential for a collaborative radar project, it became evident that this objective held significant interest for the ISRO scientific community.



Anish Singh

Synthetic aperture radar (SAR) is a method used to create high-resolution images using a radar system that has resolution limitations. It necessitates that the radar travels in a straight trajectory, either on an aircraft or, as is the case with NISAR, in orbit around the Earth.

ISRO identified scientific and practical applications that aligned well with the main goals of the mission: observing and analysing agriculture, studying landslides, researching Himalayan glaciers, measuring soil moisture, examining coastal dynamics, assessing coastal wind patterns, and monitoring natural disasters. To better address



these scientific needs, an additional radar frequency was incorporated into the mission. On September 30, 2014, NASA and ISRO formalized their partnership to work together on and launch NISAR, with the mission scheduled for a 2024 launch. NASA is supplying the mission’s L-band synthetic aperture radar, a high-

data-rate communication system for scientific information, GPS receivers, a solid-state recorder, and a payload data subsystem. ISRO is responsible for the spacecraft bus, the S-band radar, the launch vehicle, and the related launch services. Synthetic aperture radar (SAR) is a method used to create high-resolution images using a radar

system that has resolution limitations. It necessitates that the radar travels in a straight trajectory, either on an aircraft or, as is the case with NISAR, in orbit around the Earth. The fundamental concept behind any imaging radar involves sending out an electromagnetic pulse (which moves at light speed)

toward a surface and capturing the amount of signal that reflects or “backscatters” and the time it takes for the signal to return. The resulting radar images are composed of the strength and delay of the returned signal, which primarily depends on the surface’s roughness, its electrical conductivity, and its distance from the radar in orbit.

A Unique Perspective of Earth

The data from NISAR has the potential to assist people globally in the management of natural resources and hazards, while also equipping scientists with valuable insights into the impacts and speed of climate change. Additionally, it will enhance our comprehension of the Earth’s crust, its solid outer layer. By monitoring surface movements of our planet, we will gain insight into the processes happening deep beneath. NISAR’s data will be publicly accessible, thereby empowering more policymakers around the world to utilize it in pursuit of scientific, societal, and commercial objectives compared to less accessible data. This marks the beginning of an innovative technology.

सम्पादकीय बर्बाद होने से रोकना होगा युवाओं को

दिल्ली में हाल ही में घटी तीन वारदात अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। वारदात नंबर एक - 27 अप्रैल की है जिसमें नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के भजनपुरा इलाके में छह नाबालिग चाकू से गोदकर 28 वर्षीय शाकिर का मर्डर कर देते हैं। वारदात नंबर दो 28 अप्रैल की है। पूर्वी दिल्ली स्थित सीलमपुर में एक नाबालिग ने दोस्त के साथ मिलकर अपनी बहन के प्रेमी की हत्या कर दी। वारदात नंबर तीन में 29 अप्रैल को दिल्ली के उत्तरी जिले में दो नाबालिगों ने मासूली बात को लेकर एक शौचालय के केयरटेकर और उसके दोस्त पर चाकूओं से हमला कर लहू लुहान कर दिया। ये तीनों वारदात यह बताती हैं कि किशोरों के अंदर सहनशीलता खत्म हो रही है। आक्रोश और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ रही है। वारदात नंबर एक में तो बेहद चौकाने वाला तथ्य सामने निकल कर आया है। पुलिस ने वारदात के कुछ ही घंटों बाद हत्या के आरोपी छह नाबालिगों को पकड़ लिया। इन आरोपियों की आयु 13 से 15 वर्ष के बीच है। पुरुखा छ में नाबालिगों ने बताया कि इलाके में दबदबा बनाने और जुर्म की दुनिया में खुद को स्थापित करने के लिए इसे अंजाम दिया। बस, किशोरों की यही प्रवृत्ति समाज के युवाओं के लिए खतरे की घंटी है। सवाल यह है कि आखिरकार ये किशोर आपराधिक गतिविधियों में संलग्न क्यों हो रहे हैं? मैं यह बिल्कुल नहीं कह रहा कि किशोरों ने भारत में कोई पहली बार अपराध किया है। पूर्व में भी कई वारदात में छोटी उम्र के लड़के पहले भी शामिल पाए गए हैं। लेकिन जिस कारण से अपराध की ओर आकर्षित हो रहे हैं, वह चिंता का विषय है और उस पर आज विचार मंथन करना आवश्यक है। यह सच है कि नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में सक्रिय गैंगस्टर्स नाबालिग लड़कों को अपनी ओर खींचते हैं। नाबालिग सोशल मीडिया के जरिए रीलस बना खुद को गैंगस्टर्स के तौर पर पेश करते हैं। कई लड़के हथियार लहराते हुए भी दिख जाते हैं। वह इसके जरिए बड़े गिरोहों से जुड़ने की फिराक में रहते हैं। वे कुख्यात गैंगस्टर्स की पेशी में कोर्ट तक भी पहुंच जाते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार भारत में आपराधिक गतिविधियों में शामिल नाबालिगों की 2021 में 31,000 से अधिक मामलों में 37,000 से अधिक गिरफ्तार किए गए। इससे पता चलता है कि देश में नाबालिगों में आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ रही है। नाबालिगों में यह आपराधिक प्रवृत्ति बढ़ने के कई कारण हैं। उनमें दिशा और संस्कारों की कमी है। इसकी वजह से किशोरों में स्वच्छंदता पनप रही है। दरअसल, परिवार किसी बच्चे की प्राथमिक पाठशाला होती है। आज संयुक्त परिवार बिखर चुके हैं। न्यूक्लियर परिवारों में पति पत्नी दोनों नौकरी पेशा हैं। भागदौड़ वाली जिंदगी में बच्चों के लिए उनके पास समय ही नहीं होता। ऐसे में ये बच्चे अपना ज्यादातर समय इंटरनेट मीडिया में बिताते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम उनके पास अनेतिक और हिंसक कंटेंट पहुंच रहा है। वे गलत संगति में फंस जाते हैं। दिशा और संस्कारों के अभाव में किशोर अपराध की दुनिया में तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। परिवारों में किशोरों को उचित प्रोत्साहन एवं उनसे निरंतर संवाद की कमी होती जा रही है। किशोरों के दिनचर्या पर अभिभावक उदासीन रहते हैं। किशोरों की खराब संगत, हार्मोनिक बदलाव के कारण उनके आचार-व्यवहार में बदलाव के परिवार के सदस्य ध्यान नहीं देते और वे पथ भ्रमित होते जा रहे हैं। इसके अलावा पति पत्नी के बीच बढ़ते झगड़े, परिवार के सीमित आर्थिक संसाधन, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं, प्रेम में धोखा आदि भी कारण हैं जो किशोरों को अपराध की ओर ले जाते हैं। किशोरों को अपराध की दिशा में जाने से बचाने में सबसे अहम जिम्मेदारी परिवार की है और इसका समाधान भी परिवार के अंदर ही है। आज आवश्यकता है कि पति और पत्नी कितना भी व्यस्त हों लेकिन बच्चों के लिए कुछ समय निकालना बहुत आवश्यक है। संस्कारों की नींव बचपन से ही डालना बहुत आवश्यक है। इसमें मां और बाप दोनों की ही अहम भूमिका है। उसे परिवार, परंपराओं, संस्कृति, कर्तव्यों और नैतिकता का ज्ञान कराना अत्यंत आवश्यक है। यह काम तभी हो सकता है, जब माता पिता समय निकाल कर परिवार के अंदर एक साथ बैठकर संवाद करेंगे। और अगर हम ऐसा करेंगे तो न केवल परिवार सशक्त होगा बल्कि परिवार से समाज और समाज से एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण होना तय है।

Beat the Heat: Stay Hydrated During Summer

With the arrival of summer, temperatures soar and the risk of heat-related health issues increases. Among these, dehydration is one of the most common yet preventable conditions. As the season encourages outdoor fun, vacations, and sunshine, it also demands greater attention to our hydration levels. Staying cool isn't just about comfort—it's about health and safety.

As the sun continues to blaze across the sky and temperatures rise rapidly, staying hydrated becomes more important than ever. Summer brings long days and vacation vibes, but it also poses serious health risks—chief among them, dehydration. Maintaining proper fluid levels is not just important for staying cool, but also for overall physical and mental well-being.

Why Hydration is Crucial

About 60% of the human body is made up of water. In hot weather, we lose a significant amount of this fluid through sweating. If not replenished, this can lead to dehydration, which causes symptoms like fatigue, dizziness, headaches, and even heatstroke in extreme cases. Staying hydrated helps regulate body temperature, supports digestion, and keeps the skin healthy and glowing.

Smart Tips to Stay Hydrated

Experts suggest simple but effective ways to stay hydrated during the summer season:



Khushi Saxena

- **Drink Plenty of Water:** Aim for at least 8–10 glasses of water daily. Carry a reusable water bottle with you at all times.
- **Eat Hydrating Foods:** Include fruits and vegetables rich in water content such as watermelon, cucumber, oranges, and strawberries.
- **Opt for Healthy Fluids:** Coconut water, lemon water, homemade juices, and mint-based drinks are great natural alternatives.

Set Reminders: Use mobile apps or phone alarms to remind yourself to drink water regularly, especially if you tend to forget.

- Precautions You Must Take
- **Limit Caffeine and Alcohol:** These drinks act as diuretics and can worsen dehydration. Replace them with herbal teas or infused water.
- **Don't Wait for Thirst:** Thirst is often a late indicator of dehydration. Keep sipping water throughout the day.
- **Avoid Peak Sun Hours:** Stay indoors between 12 PM to 4 PM. If you must step out, use an umbrella or wear a wide-brimmed hat and light cotton clothes.
- **Recognize Warning Signs:** Symptoms like a dry mouth, dark yellow urine, dizziness, and extreme fatigue may signal dehydration. Immediate action is necessary.

Hydration is the foundation of a healthy and enjoyable summer. With simple steps and conscious habits, one can beat the heat and stay energized throughout the season. So keep that water bottle handy and let hydration be your superpower this summer!

जिंदगी चुनें, जहर नहीं!

हर साल 31 मई को पूरी दुनिया में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को तंबाकू के घातक प्रभावों से अवगत कराना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा शुरू किया गया यह दिन जागरूकता बढ़ाने का एक वैश्विक प्रयास है।

तंबाकू उत्पादों पर साफ लिखा होता है कैसर होगा, जान जा सकता है। इसके बावजूद लोग हर दिन इस जहर को अपनी जिंदगी में शामिल कर रहे हैं। यह केवल एक लत नहीं बल्कि समाजिक आत्महत्या है।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हर साल 80 लाख से अधिक लोग तंबाकू के कारण अपनी जान गंवाते हैं। इनमें से करीब 70 लाख मौतें सीधे तंबाकू के सेवन से होती हैं, और लगभग 13 लाख लोग पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएं के कारण मरते हैं।

2022 में दुनिया भर में लगभग 2 करोड़ कैसर के नए केस सामने आए और लगभग 97 लाख लोगों की मौत कैसर से हुई। हैरानी की बात यह है कि एक-तिहाई कैसर तंबाकू, शराब, मोटापा और गलत जीवनशैली के कारण होते हैं। तंबाकू न केवल फेफड़ों का, बल्कि मुंह, गले, पेट और यकृत के कैसर का भी मुख्य कारण है।

आज की हवा भी इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि अदक (Air Quality Index) के जरिए लोग मानो बिना सिगरेट के धुआं पी रहे हैं। ऐसे में सोचिए, जो लोग ऊपर से तंबाकू भी ले रहे हैं, वो



अनुष्का

अपने शरीर को किस कगार पर ले जा रहे हैं।

तंबाकू से दूर रहने के उपाय

तंबाकू छोड़ना आसान नहीं, पर नामुमकिन भी नहीं। सबसे पहला कदम है जागरूकता। जब हमें पूरी तरह समझ में आ जाए कि हम खुद को और अपने परिवार को किस चीज की तरफ धकेल रहे हैं, तभी बदलाव की शुरुआत होती है।

- **मन की मजबूती:** खुद से कमिटमेंट करें कि आप जीवन को प्राथमिकता देंगे, लत को नहीं।
- **विकल्पों का सहारा लें:** निकोटिन पैच, गोंद, हेल्थ काउंसलिंग और योग जैसी चीजें मदद कर सकती हैं।
- **समर्थन लें:** परिवार, दोस्त और प्रोफेशनल सपोर्ट सिस्टम को अपने साथ जोड़ें।
- **प्रेरणा खोजें:** जो लोग तंबाकू छोड़ चुके हैं, उनकी कहानियां पढ़ें। वो साबित करते हैं कि अगर वो छोड़ सकते हैं, तो आप भी कर सकते हैं।
- **समाज में बदलाव लाएं:** दूसरों को जागरूक करें, विशेषकर युवा वर्ग को जो सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

धूम्र पान निषेध दिवस महज एक दिन नहीं, बल्कि जीवन बदलने का अवसर है। अपने और अपनों के लिए आज संकल्प लें झूठ तंबाकू को ना कहे, और जिंदगी को हाँ कहें।

Indian Museums: Rich and Varied Ancient Civilization

Every year on May 18, the world celebrates International Museum Day (IMD), a global event established by the International Council of Museums (ICOM) in 1977. International Museum Day commemorates the contribution of museums to cultural exchange, education, and the conservation of human heritage. Museums are not dusty rooms of antiques—they are dynamic institutions that connect the past to the future, educating and inspiring generations.

Every year, ICOM declares a theme for International Museum Day that encourages museums all over the world to theme their exhibitions and programming around issues of today's social, cultural, or environmental reality. The themes tend to mirror international conversation such as



Saransh Museum

sustainability, diversity, and innovation and encourage museums to update and change along with the times.

In India, a land of rich and varied ancient civilization, museums are used to showcase the rich cultural, historical, and artistic heritage of the country. Indian museums are full of treasures, showing everything from old sculptures and Mughal paintings to tribal art and science-related displays. They reflect the



true spirit of the country.

Among the most famous is the National Museum in New Delhi, providing an extensive overview of Indian history from the Indus Valley Civilization to contemporary times. The Indian Museum in Kolkata, established in 1814, is the oldest and largest multipurpose museum on the Indian subcontinent.

With a diverse collection ranging from Archaeology to Anthropology, Geology, to

Zoology, it continues to be a leading educational resource. Aside from that, the Chhatrapati Shivaji Maharaj Vastu Sangrahalaya in Mumbai combines Indo-Saracenic architecture with a vast collection of global artifacts.

India is poised to transform its museum landscape in the very near future to be set under the Central Vista redevelopment project of New Delhi with the Yuge Yugeen Bharat National Museum. When completed, it will be India's largest museum that will present the history of Indian civilization in 8 theme sections.

It will provide an immersive, technology-based experience through the application of augmented reality (AR), virtual reality (VR), and interactive storytelling methods. It will showcase over 5,000 years of Indian history,

starting from the Vedic era and Mauryan empire to the freedom movement and the period after independence. The project communicates the government's vision to create a world cultural icon that would immortalize India's heritage.

International Museum Day reminds us of the reality that museums are not something out of the past but a necessary component of the contemporary world. They stimulate thoughts, generate ideas, and make people aware of their heritage.

In India, where there has been a growing emphasis on heritage and cultural conservation, the arrival of initiatives like Yuge Yugeen Bharat Signals a promising future where museums will keep illuminating, inspiring, and unifying people from generation to generation.



BOOK NOOK

BOOK – Midnight’s Children
Mugdha Jugran

Book:Midnight’s Children
Author: Salman Rushdie
Published: May 1, 1995, by Vintage
Rating: 4 stars

Midnight’s Children is a wild, magical journey through the chaotic and vibrant history of post-colonial India, told through the life of Saleem Sinai, a boy born at the exact moment of independence. Salman Rushdie blends fantasy, memory, and reality so seamlessly that you often forget where one ends and the other begins. His prose is dense and poetic, filled with wit, emotion, and absurd brilliance. At times, it’s overwhelming and even confusing, but that’s part of the charm—it mirrors the messiness of identity, history, and nationhood. It’s not an easy read, but once you get into the rhythm, it’s truly unforgettable.

Book: The White Tiger
Author: Arvind Adiga
Published: January 1, 2008 by Free Press
Ratings: 3.8 stars

The White Tiger is sharp, dark, and brutally honest. Adiga captures the raw gap between rich and poor in India through Balram’s gripping, unapologetic voice. It’s unsettling yet powerful—a bold take on ambition, morality, and survival in a divided society.

Book: The Curious Secrets of Yesterday
Author: Namrata Patel
Published: June 1, 2024 by Lake Union Publishing
Ratings: 3.9 stars

The Curious Secrets of Yesterday is a gentle, emotional story woven with family, identity, and self-discovery. Namrata Patel’s writing is warm and thoughtful, taking you through past and present with grace. It’s a heartfelt read that lingers quietly afterward.

Book: The Moonflowers
Author: Abigail Rose-Marie
Published: September 1, 2024 by Lake Union Publishing
Ratings: 4 stars

The Moonflowers by Abigail Rose-Marie is a tender, poetic tale of love, loss, and healing. With lyrical prose and vivid emotion, it captures the beauty of growth through pain. A quietly powerful read that blossoms in your heart.



The Forgotten Vows in Indian Marriages

Abhanshu Dwivedi

Communication, a powerful tool given by God to the all of the mankind to share thoughts, feelings, emotions, and to connect hearts with each other. However, when we give it a thought distraction sneaks everywhere and in communication too. Long working hours, easily available fun elements like social media and after being circled with these, an urge of living alone: ‘the likeliness of solitude’, these all are the active distraction in human life pulling minds away from communication. The sole purpose of human life is to love and bring happiness to everyone and this purpose has only one chariot, communication.

Reflecting on this, a nostalgic thought comes to mind that how the marriages earlier were so long lived. Today, we see an increase in divorce cases and even ‘marital murders’ in the media. India’s divorce rate has historically been low but



Case-1

Delhi husband filed for divorce after just a year of marriage because his wife was “obsessed” with social media and rarely spoke to him. In court and media accounts he complained that her late-night online chats and preoccupation with virtual life left him with virtually no marital relationship.

Case 2

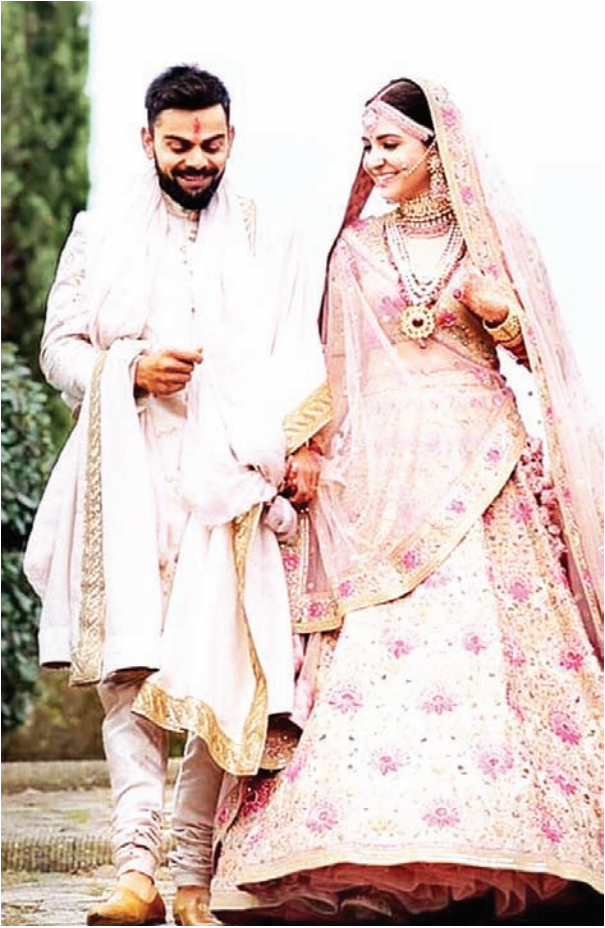
A Case reached to Supreme Court, where the husband had seen no communication what so ever from his wife for over a decade. The court ultimately granted a divorce, explicitly treating the prolonged silence as an “irretrievable breakdown” of the marriage. Justice Gavai noted that the couple had been separated since 2011 with the wife “not even responding” to court summons, signalling that she had lost interest in the marriage. This ruling underscore the principle that, under Indian law, decades of abandonment and communication refusal can legally justify ending a marriage.

recent years have seen a sharp rise in many urban areas. For example, the number of divorces in Karnataka surged from about 20,454 filings in 2020 to a peak of 66,863 in 2022. Major cities are feeling the impact too. Family courts report that divorce petitions have almost tripled in Delhi, Bangalore, Mumbai and other metros in the past few

years. It seems something is missing which is the root cause of the failed marriages in a country where its culture speaks about the seven vows of life, the most powerful red coloured vermilion and the most important seven births with same partner.

If we look back two to three decades ago when a man come home, his wife would ask him for water and

they would talk about each other’s day and the problems they faced. Today both partners are working and hence each one is tired and not in the mood to discuss the day. In the past the management of home was under the control of wives who handled money matters and made proper discussions before any expenditure which reduced the chances



of blame games or unnecessary spending among couples, something that is often seen today.

Pooja Mehta, a Delhi-based counsellor, observes

that couples who spend excessive time apart (for example, glued to social media) naturally drift into silence and misunderstanding.

If You’re not at least Trying to Change It, Stop Letting It Control You: Alumni

Vipranshu, a distinguished alumnus of our institution, is recognized for his dedication, perseverance, and passion for excellence. Throughout his academic journey, he consistently demonstrated a strong commitment to learning, leadership, and innovation, always striving to reach new heights.

This feature includes an exclusive interview with Vipranshu, where he shares his experiences, challenges, and the valuable lessons he has learned along the way.

Vipranshu, a distinguished alumnus consistently demonstrated a strong commitment to learning, leadership, and innovation, always striving to reach new heights.

How did your BAJMC degree shape your career path after graduation?

My BAJMC degree shaped my career by building a strong foundation in communication,



media theories, and writing skills during the first year. In the second year, practical assignments and real-world case studies improved my research abilities and confidence. The final year, with internships and major projects, gave me hands-on industry experience. Overall, the program developed my professional personality, making me confident, adaptable, and well-prepared for the media and communication industry after graduation.

Were there any internships or projects during BAJMC that made a big difference for you?

Yes, internships and media projects during my BAJMC course made a huge difference. They gave me real-world exposure, helped me



YOGITA SHARMA

apply theoretical knowledge practically, and strengthened my skills in writing, communication, and content creation. Actively participating in college events and projects helped me build a strong portfolio and understand industry demands better. These experiences taught me the importance of staying updated with trends, networking early, and being open to learning

beyond the classroom — all of which prepared me for future opportunities.

What challenges did you face after graduating, and how did you overcome them using what you learned in BAJMC?

After graduating, one of the major challenges I faced was adjusting to the fast-paced professional environment. The competition was tough, and applying theoretical knowledge practically was not always easy. However, the communication skills, confidence, and practical exposure I gained during my BJMC course helped me bridge that gap. Internship experiences, public speaking practice, and content creation projects during college taught me how to adapt quickly and handle real-world demands.

By staying consistent, upgrading my skills, and using the strong foundation built during BJMC, I

was able to overcome initial struggles and grow steadily in my career.

What advice would you give to someone currently pursuing BAJMC to maximize opportunities?

My advice to someone currently pursuing BJMC would be to focus equally on practical experience and theoretical knowledge. Participate actively in internships, college events, and media projects, because real-world exposure matters a lot in this field. Build a strong portfolio by working on articles, campaigns, or digital content.

Stay updated with industry trends, sharpen your communication skills, and develop a habit of networking early. Most importantly, be open to learning beyond the classroom. The more you explore during your course, the better opportunities you’ll create for yourself after graduation.

CAREER CANVAS

Academics Vs ExtraCurriculars: Striking the Balance

One are the days when student life was just about gaining academic expertise. In today’s world, holistic development is both valued and sought after. Being limited to academics might not offer students the best opportunities for optimal growth. At the same time, engaging only in extracurricular activities may not lead to the best outcomes either. What students should aim for is striking a balance between the two.



Sushma

deprivation.

What is the solution then? **Know your capacity and plan accordingly.**

"You can do anything, but not everything."—David Allen

Tips for Finding the Right Balance

► **Prioritize:** Not everything deserves your time. Focus on a few activities that truly align with your interests or future goals. As Stephen Covey said, "The key is not to prioritize what's on your schedule, but to schedule your priorities."

► **Plan smart:** Use calendars or apps to block time for studies, revision, and club meetings. Treat extracurriculars as part of your routine, not distractions from it.

► **Learn to say no:** FOMO is real, but overloading yourself helps no one. It's okay to skip a fest or event if you're overwhelmed.

► **Reflect and recharge:** Take short breaks during the day to pause and recharge yourself—whether it's a mindful walk, a quick journaling session, or simply doing nothing. Rest doesn't mean wasting time—it can help you to stay energized and focused.

College life is a rare time period when you can explore your potential beyond academics—so make it count. The goal isn't to do everything but to do a few things well, with focus and joy. A well-balanced college life isn't just about managing time; it's about managing energy, passion, and purpose. As they say, college is not just about what you learn in class, but also about who you become outside it.

Why the Balance Matters

College life is a whirlwind of deadlines, lectures, projects, assignments—and simultaneously, club meetings, event planning, fests, conclaves, and cultural programs. It's thrilling, no doubt, but it can also lead to exhaustion and burnout. Juggling between classes and extracurriculars can make your schedule hectic, often leaving no 'me time.'

Challenges Faced by Students

Students often have to miss their classes in order to participate in various extra-curricular activities. In that case, students might struggle with guilt—for spending "too much" time outside the classroom. Similarly, several students feel they are missing out on campus experiences due to academic pressure. Back-to-back activities and late-night assignment completions often lead to sleep

If you have any query email to head.cdc@imsuc.ac.in



IMS GHAZIABAD

(University Courses Campus)

www.imsuc.ac.in



2nd in Placement All India
4th in North India
By Times  Survey - 2022

COURSES

BBA
BUSINESS ADMINISTRATION

BCA
WITH DIPLOMA IN DATA SCIENCE & FIVE SPECIALIZATIONS

BAJMC
JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

M.Sc.
BIOTECHNOLOGY

B.Sc.(H)
BIOTECHNOLOGY | MICROBIOLOGY

MIB
MASTERS IN INTERNATIONAL BUSINESS

SALIENT FEATURES

- NAAC Accredited with 'A' Grade
- In-Campus Hostel Facility
- Super Specialization for all Courses
- International and Domestic Placements
- Free Transport Facility

NH-09, Adhyatmik Nagar, Ghaziabad | Phones: 0120-4980000 (+30 Lines) | Mobile: 09599814461-65
Toll Free: 1800-102-1214 | Website: www.imsuc.ac.in | E mail: director@imsuc.ac.in

WE HAVE NO BRANCH IN NOIDA

News Brief ...

Health Check-Up Camp at IMS Engineering College, Ghaziabad



Ghaziabad (IMS New Service): IMS Engineering College, Ghaziabad,hosted a Free health check-up camp in collaboration with Sadaneera Foundation and Max Super Speciality Hospital, Vaishali. This initiative aims to promote health awareness and provide essential medical services to our community.Around 400+ students registered for the camp and get their tests done through dedicated team of Max, Vaishali. Health services were offered like general health check-up,blood pressure& sugar testing,consultation with specialist Doctors and Issuance of medical health cards for continued healthcare benefits.

World Heath Day Celebrated

Ghaziabad (IMS New Service): The event was celebrated in form of a campaigning activity from Block A to C, canteen etc. In this event, MBA first year students have participated with props,charts and slogans. The event was initiated and encouraged by HOD Dr.M.P Singh in the seminar hall block A for giving maximum participation in college events and activity as learning initiatives. The event was coordinated by student cultural coordinator Ms.ShitalAnjali, Ms.Muskan Yadav, Vishu Tyagi along with faculty coordinator Dr.Kavita Singh.

Visit to IIT Delhi for Unnati AI Program Launch



Ghaziabad (IMS News Service): The PGDM first-year students of IMS Ghaziabad embarked on a half-day immersion visit to IIT Delhi, where they had the unique opportunity to witness the launch of “Unnati”—a visionary Artificial Intelligence program aimed at revolutionizing innovation across key sectors such as healthcare, agriculture, sustainability, and education. The Unnati AI Program is designed to accelerate the development of impactful AI solutions by offering mentorship, access to funding, infrastructure support at IIT Delhi and partner hubs, along with strong market linkages for real-world implementation. The launch event provided students with deep insights into how emerging technologies are being positioned to solve some of the most pressing global challenges. The visit also included a campus tour, where students explored the world-class research environment and tech-driven infrastructure of IIT Delhi. A networking lunch further enabled them to engage with faculty, researchers, and fellow learners from diverse disciplines.

Faculty Development Program on Microsoft Power BI



Ghaziabad (IMS News Service): The Department of Computer Science and Engineering, in collaboration with ICT Academy, successfully inaugurated a Faculty Development Program (FDP) on Microsoft Power BI. This initiative aims to equip faculty members with in-depth knowledge, practical skills, and effective teaching methodologies related to data analytics and business intelligence using Microsoft Power BI. The inauguration ceremony was graced by esteemed dignitaries, faculty members, and participants from various institutions. The event commenced with a welcome address, highlighting the significance of integrating industry-relevant tools like Power BI into academic curricula. The chief guest, Mr. Satyendra Narayan (Relationship Manager), emphasized the growing demand for data analytics in various industries and the crucial role educators play in bridging the skill gap among students.

MoU Renewal Between CETPA Infotech and IMS Engineering College, Ghaziabad

Ghaziabad (IMS News Service): IMSEC is thrilled to announce the Renewal of the Memorandum of Understanding (MoU) between Computer Science & Engg. Department, IMS Engineering College, Ghaziabad, and CETPA Infotech Pvt. Ltd., Noida, signed o. A powerful collaboration aimed at bridging the gap between classroom learning and industry expectations. This renewed partnership will focus on Industrial Visits, Hands-on Technical Training and Expert-led Workshops.

National Conference on Artificial General Intelligence and Geopolitics



IMS News Service

Ghaziabad:IMS Ghaziabad organized the inaugural ceremony of the AICTE-sponsored National Conference on Artificial General Intelligence (AGI) and Geopolitics, bringing together leading minds to explore the intersection of advanced technology and global dynamics.

The event commenced with a warm welcome by Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director of IMS Ghaziabad, who extended his heartfelt greetings to the distinguished guests. Among the esteemed dignitaries were Dr. T.K. Batra, Chairman of ICAI, and Dr. Kuldeep Singh, senior official from AICTE, both of whom graced the occasion as Guests of Honor.

In his keynote address, Dr. Tripathi highlighted the transformative potential of Artificial General Intelligence,emphasizing its rapidly growing influence across every facet of modern life—from economic development and industry to international relations and societal structures. He stressed the importance of academic platforms like this

conference in fostering dialogue on the ethical, strategic, and geopolitical implications of AGI. The presence of experts from academia, industry, and policy further enriched the discussions, setting a vibrant tone for the sessions to follow. The conference aims to encourage interdisciplinary conversations and critical thinking around the evolving landscape of intelligence systems and their global repercussions. The inaugural ceremony marked a successful beginning to what promises to be a thought-provoking and future-oriented national academic gathering.

AICTE-Sponsored National Conference at IMS

IMS News Service

Ghaziabad: The AICTE-sponsored National Conference held at IMS Ghaziabad, Lal Kuan Campus on April 25–26, 2025, emerged as a remarkable platform for academic exchange, featuring a galaxy of eminent experts and scholars who led thought-provoking discussions across diverse domains of management and technology. Over the course of two days, the conference hosted six parallel technical sessions conducted simultaneously across various classrooms of the campus. The sessions covered a broad spectrum of areas including Business Analytics, Marketing, Human Resources, Organizational Behavior,



and Supply Chain Management. Each session was chaired by distinguished professors and esteemed faculty members from leading institutions across Delhi-NCR, adding intellectual depth and diverse viewpoints to the proceedings. In addition to the on-campus deliberations, the conference also featured two virtual sessions, enabling participation from remote experts and enhancing the reach and inclusivity of the event. These sessions further

enriched the discourse, making the conference a hybrid success story of academic engagement. With active paper presentations, interactive Q&A rounds, and expert feedback, the event provided a dynamic learning environment for researchers, scholars, and students alike. IMS Ghaziabad once again demonstrated its academic leadership by orchestrating a conference that not only addressed contemporary challenges but also inspired future-focused research and collaboration.

Training Session on Mutual Funds, SIPs and Market Outlook

IMS News Service

Ghaziabad: IMS Ghaziabad successfully hosted an insightful training session focused on Mutual Funds, Systematic Investment Plans (SIPs), and Market Outlook, aimed at enhancing financial literacy and investment awareness among students and faculty members. The session featured two prominent industry experts — Ms. Meenakshi Singh from Franklin Templeton and Mr. Anand Mohan from Sharekhan — who served as the resource persons. Their engaging discussions covered key investment strategies,risk management, long-term wealth creation through SIPs, and a forward-looking view of the Indian financial markets. The session was highly interactive .

Expert Talk on Innovation in AI Reshaping Employability Path

IMS News Service

Ghaziabad: The Department of MCA organized an insightful expert talk titled “Innovation in AI – Reshaping Employability Path” under the guidance of the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and in association with the Technology Incubation Foundation–IMSEC (TIF-IMSEC).The session featured Mr. Bhupendra Singh Nayar, Vice President – HR & Operations at Softpro India, as the keynote speaker. Mr. Nayar shared his profound expertise on how Artificial Intelligence (AI) is revolutionizing employability trends. He elaborated on cutting-edge AI technologies such as Machine Learning, Natural Language Processing, and Computer Vision,explaining



how these tools are driving innovation,especially within start-up ecosystems. He emphasized AI’s evolving role in product development and its impact on the recruitment process, offering students a roadmap to prepare for future AI-driven career landscapes. The event also had the honor of hosting Ms. Yashi Asthana, CEO of Softpro India, who addressed the

gathering with her inspiring words. She shared her entrepreneurial journey and provided valuable insights into aligning academic skills with industry expectations for successful placement. The session was highly interactive, with MCA students actively participating and expressing great enthusiasm about the potential of AI in shaping modern careers.

IMSians Bid Adieu to their Seniors



IMS News Service

Ghaziabad: A heartfelt farewell ceremony “Odyssey” was organized at IMS Ghaziabad to bid adieu to the graduating batch. The event was graced by Director Dr. Prasoon Mani Tripathi and Dean of Student Affairs Dr. Amit Bhati, who extended their warm wishes and best of luck to the outgoing students for their future endeavours. The junior batch gave a vibrant

welcome to their seniors with energetic dance performances and melodious group songs, creating an atmosphere filled with emotion and celebration. The evening concluded on a high note with a lively DJ session, marking a memorable end to the farewell party. Dr. Vaishali, Dean Academics presented Vote of Thanks with emphasis on journey of two Years coming to end-Odyssey.

SANGRAM 2025: Annual Fest

IMS News Service

Ghaziabad: IMS Engineering College, Ghaziabad, kicked off its much-awaited Annual Sports Fest, SANGRAM 2025, with great energy and enthusiasm. Students from various departments—CSE, CS, CSE-AIML, IT, BT, ME, AS&H, ECE, MCA, and MBA—came together to form spirited teams. The event was inaugurated by our esteemed Director, Prof. (Dr.) Manas Kumar Mishra, who inspired the students with his encouraging words. The occasion was further graced by Dr. Amit Sharma (Dean, Students’ Welfare), Dr. R. K. Singh (Professor Incharge, Sports), and Mr. Uday Singhta (Sports Officer). Day 1 featured games including Basketball,



Cricket, Volleyball, Kabaddi, Football, Kho-Kho, Badminton, Table Tennis, Chess, and Carrom, along with athletic events like the 100m race, shot put, and long

jump. With a vibrant participation of nearly 400 students, SANGRAM 2025 began on a truly competitive and cheerful note.

Summer School Immersion at IIM Indore



IMS News Service

Ghaziabad: Proving once again that “Sky is the Limit”, a group of high-performing PGDM students from IMS participated in a transformative Residential Summer School Immersion Program at IIM Indore from April 14 to 18, 2025. The five-day academic voyage became an unforgettable milestone, offering a perfect blend of rigorous learning, campus experience, and exposure to elite academic practices. Organized as part of IMS Ghaziabad’s strategic focus on academic excellence and holistic development, the immersion

covered key modules including Business Negotiations, Consumer Behavior Trends, Market Opportunity Analysis, and much more. Students engaged in interactive sessions with IIM Indore’s esteemed faculty, gaining critical insights into the evolving dynamics of business management and leadership. This prestigious immersion was conceptualized under the visionary leadership of Dr. Prasoon Mani Tripathi, Director, IMS Ghaziabad, whose belief in experiential learning continues to open new avenues for student growth.

Students Attend Experiential Learning Program at IIM Ranchi

IMS News Service

Ghaziabad: Continuing its streak of academic excellence and elite institutional collaborations, IMS Ghaziabad scaled new heights as over 35 PGDM students participated in a prestigious immersion program at IIM Ranchi from April 22 to 26, 2025. The residential experience served as an intellectually stimulating and personally enriching journey that reinforced IMS Ghaziabad’s



commitment to developing globally competent future leaders. Hosted by IIM Ranchi, this 5 day immersion for April 22-26 was a blend of rigorous classroom learning and vibrant campus life,

offering participants exposure to advanced concepts in Sustainability, Corporate Governance, and Responsible Management. The academic sessions were designed to promote deep

thinking and strategic problem-solving, further enriched by late evening case discussions that challenged students to apply theory to real-world dilemmas. Beyond academics, the

students engaged in sports sessions, community dining experiences including lunch, dinner, and high tea, and developed camaraderie and collaboration through shared interactions with peers and faculty. The immersive schedule ensured holistic development—sharpening both managerial acumen and interpersonal skills.

This remarkable initiative is a part of IMS Ghaziabad’s visionary learning strategy, championed by Director Dr. Prasoon Mani Tripathi, who

advocates for global exposure and hands-on learning to prepare students for the ever-evolving business landscape. With yet another successful IIM immersion under its belt, IMS Ghaziabad continues to rise as a powerhouse of experiential education, producing leaders equipped to navigate the complexities of modern business with agility and purpose. Dr Priya Singh and Dr Neeraj Sanghi accompanied students to this immersion program.

News Brief ...

Hanuman Jayanti Celebrated



Ghaziabad (IMS News Service):The Hanuman Jayanti Puja, organized at IMS Ghaziabad (University Courses Campus). The college campus came alive at dawn with the serene and spiritual observance of Hanuman Jayanti, commemorating the birth of Lord Hanuman—revered as the embodiment of strength, courage, and unwavering devotion in Hindu mythology.

In the tranquil setting of the campus atrium, faculty, staff, and hostel students gathered with devotion in their hearts. The soft glow of lit diyas (oil lamps), held by the attendees, cast a warm light upon the idol of Lord Hanuman, symbolizing illumination, purity, and divine presence. As part of the puja, traditional offerings such as fruits, sweets, and flowers were placed with reverence before the statue. Each prayer reflected a personal connection to Lord Hanuman, with many seeking his blessings for strength, courage, protection, and wisdom.

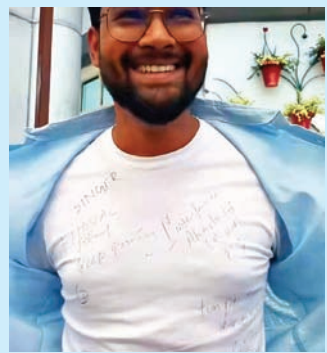
Workshop on Neural Network AI



Ghaziabad (IMS News Service):The NetworkClub of IMS Ghaziabad, University Courses Campus successfully hosted an insightful and forward-thinking session titled "Neural Network AI: Innovating for Education." This event focused on the transformative potential of artificial intelligence, especially neural networks—in the field of education. It served as an enlightening platform for students and tech enthusiasts to explore how AI can enhance personalized learning, automate administrative tasks, and bridge educational gaps. The event was skillfully handled by Mr. Tanishq - President of the Club, and Ms. Richa Dwivedi - Vice President of the Club, whose leadership and coordination ensured the smooth execution and success of the session.

Scribbling Day Celebrated with Nostalgia and Joy

Ghaziabad (IMS News Service):The campus of IMS Ghaziabad, Lal Kuan, was brimming with emotions as the students of PGDM Batch 2023–2025 celebrated Scribbling Day on the concluding day of their sixth trimester exams.



Marking the end of a two-year academic journey, the event turned into a canvas of memories, laughter, and heartfelt moments. Students joyfully took part in the tradition by writing nostalgic messages, personal notes, and quirky titles on each other's T-shirts and shirts. From hand-drawn cartoons to short poems and creative nicknames, every scribble reflected bonds built over shared experiences, late-night study sessions, and classroom camaraderie. What started as a fun farewell gesture soon transformed into an emotional flashback for many, as friends captured their final moments together in photographs, laughter, and tearful hugs. The day symbolized the end of an era and the beginning of new professional journeys for the graduating batch. Scribbling Day at IMS Ghaziabad was not just a celebration—it was a tribute to friendship, memories, and the unforgettable chapters written over two impactful years.

International Conference on Shaping Viksit Bharat @ 2047

IMS News Service

Ghaziabad:The Inaugural Ceremony of the 6th International Conference commenced with great enthusiasm and reverence at IMS Ghaziabad (University Courses Campus). The event was graced by the esteemed presence of distinguished dignitaries and academicians.

The session began with the ceremonial lighting of the lamp and the soulful rendition of Saraswati Vandana, symbolizing the invocation of wisdom and

knowledge to mark the auspicious beginning of the conference.

The gathering was honored by the Chief Guest, Former President of Bharat, Shri Ram Nath Kovind Ji, who joined the session live from his vicinity. His gracious presence and inspiring words added immense value and motivation to the participants and organizers alike.

Joining as the Guest of Honour was Prof. (Dr.) Anil Sahasrabudhe Ji, Chairman of National Educational



Technology Forum (NETF), Chairman of EC National Assessment and Accreditation Council (NAAC) and Chairman NBA. His address reflected deep insights into the evolving landscape of academia and research,

aligning with the theme of the conference.

The welcome address was delivered by Dr. Pooja Rastogi, Director (Officiating), who warmly greeted all participants, speakers, and guests. She emphasized the importance

of such platforms in fostering intellectual discourse and collaborative research. A key highlight of the session was the unveiling of the Conference Proceedings, a significant academic contribution, which was jointly carried out by the distinguished guests.

Prof. Komal Kapoor extended the formal Vote of Thanks, expressing heartfelt gratitude to all dignitaries, participants, organizing committee members, and collaborators for their contributions towards the

success of the event.

Finally, Dr. Tripti Singh formally declared the conference open, marking the beginning of the academic proceedings and technical sessions to follow over the course of the conference.

The inaugural session set an inspiring tone for the conference and reaffirmed commitment to academic excellence and global collaboration. Dr. Deepa Goel, MOC for the inaugural session guided the delegates for the technical session under various tracks.

Program on Design Thinking

IMS News Service

Ghaziabad: The Department of Computer Science at IMS Ghaziabad University Courses Campus, hosted a certification program on "DESIGN THE THINKING" in association with School of Design Thinking, Chennai for the second year students of BCA.

The primary aim of the "Design Thinking" workshop was to introduce students to creative problem-solving techniques and empower them with tools to tackle real-world challenges through empathy, ideation, and innovation. The session was designed to enhance critical thinking, collaboration, and innovation among participants.



The workshop followed the five key stages of Design Thinking:-

Empathize: Students engaged in activities to understand user needs and perspectives. They conducted interviews, role-plays, and observation exercises to develop empathy towards users.

Define: Based on their observations, students identified core problems or needs and crafted clear problem statements.

Ideate: Participants

brainstormed solutions in a judgment-free environment. Creativity was encouraged, and ideas ranged from practical to out-of-the-box.

Prototype: Teams created simple prototypes using available materials to represent their ideas. This hands-on activity helped them visualize and refine their concepts.

Test: The workshop concluded with prototype presentations and feedback sessions. Students tested their ideas with peers and received

constructive feedback.

The Design Thinking certification program successfully introduced students to a powerful framework for innovation and creativity. It emphasized empathy, experimentation, and iterative learning—skills that are increasingly valuable in both academic and professional settings. Participant feedback was overwhelmingly positive. Students appreciated the hands-on approach and found it engaging and thought-provoking. Many expressed interest in deeper, follow-up sessions to further explore design thinking methodologies. It is recommended that similar certification programs be conducted regularly to nurture a culture of innovation on campus.

Workshop on Pen to Paper A Journey of Young Authors

IMS News Service

Ghaziabad: Literary Club at IMS Ghaziabad (University Courses Campus) organized a student-led workshop titled "Pen to Paper – A Journey of Young Author" in the Mini-Auditorium. The resource person for the workshop was Mr. Harsh Verma, a BBA student from the Batch 2024-2027.

The workshop aimed to empower and inspire young, aspiring authors by offering practical knowledge and insights into the world of writing, publishing, and the journey of becoming a successful author.

The event began with a warm introduction by the Literary Club, followed by an opening address by Mr. Harsh Verma, who shared his own experiences as an aspiring author. He



discussed how writing can be an outlet for creativity and expression, and emphasised the importance of honing one's writing craft through continuous practice and perseverance.

Mr. Harsh Verma delved deep into the process of creative writing, offering insights into how to structure stories, develop characters, and create engaging narratives. He also discussed common challenges faced by writers, such as writer's block, self-doubt, and the difficulty of finishing a



manuscript, and shared strategies to overcome these obstacles.

In addition, Mr. Harsh Verma introduced participants to the various publishing opportunities available today, emphasising both traditional publishing and self-publishing platforms.

He spoke about the importance of understanding the publishing process and how authors can select the right platform for their work based on their goals and resources.

Insightful Dialog Series: A 10-Month Journey of Communication and Collaboration

IMS News Service

Ghaziabad:IMS Ghaziabad takes immense pride in announcing the successful culmination of its year-long initiative, "Insightful Dialog," a unique talk-session series aimed at sharpening students' communication and collaborative skills.

The final session of this enriching series took place in the second week of April, marking the end of a dynamic 10-month journey of structured learning and expression. Conceived as a panel discussion format, the "Insightful Dialog" series encouraged students to engage in meaningful conversations on a wide range of contemporary and academic topics. Each session saw students, guided by their respective mentors, speak confidently on allocated subjects, enhancing



not just their communication and vocabulary, but also their teamwork, cooperation, and critical thinking. What set this initiative apart was its interactive nature—the floor was always open to the audience for counter-questions and discussion, fostering a healthy culture of debate and deeper understanding among participants. This format ensured that every session was not just informative but also highly engaging, allowing students to learn from diverse perspectives.

The visionary minds behind this initiative — Dr. Parul, Dean of PULL (Professional Upskilling and

Lifelong Learning), along with Dr. Anchal Mishra and Prof. Vikram Sharma — played a crucial role in bringing this concept to life and nurturing it to success. Over the course of the series, more than 300 students took the stage and showcased their talent, confidence, and intellectual depth — a testament to the transformative impact of "Insightful Dialog."

IMS Ghaziabad continues to remain committed to holistic student development through innovative, student-centric programs that prepare learners for academic, professional, and life success.

Workshop on Introduction to Linux World

IMS News Service

Ghaziabad: The IT Club at IMS Ghaziabad, University Courses Campus, successfully conducted a technical workshop titled 'Introduction to Linux World'. The workshop aimed to introduce students to the fundamentals of the Linux operating system and its significance in the tech industry.

The session was led by Mr. Rajat Rajan and Ms. Tanisha Gupta, both second-year BCA students, who served as the resource persons. They covered essential Linux concepts, such as the Linux file system, user permissions,



key terminal commands, and an introduction to shell scripting. Participants also got hands-on experience with basic commands and explored the open-source ecosystem. The workshop offered a beginner-friendly environment that bridged theoretical knowledge with practical skills, helping students understand the power and versatility of Linux in software

development, system administration, and cybersecurity.

In conclusion, the workshop sparked curiosity and built foundational knowledge about Linux, encouraging students to further explore this powerful operating system. The IT Club remains committed to organizing such enriching sessions in the future.

IMS News Service

Ghaziabad: Hackthon-2K25, an annual Inter-Institute Technical Fest in association with EICT-IIT Kanpur, ICT Academy, EduSkills, has witnessed jam-packed computer-buffoons competing and striving to excel over others.

More than 400 students had registered from 27 schools and colleges from Delhi-NCR region namely Sharda University, Galgotia University, KEC, KIET Group of Institute ABES, Mangalmay Institute, Ryan International School, Ingraham Institute, Delhi University, Bennett



University, SRM University and many more premier institutes participated in Hackathon 2K25.

The event was formally inaugurated with the motivating words of Dr. Pooja Rastogi Director (IMS University Courses Campus), Ghaziabad. Dr. Pankaj Dikshit, Chief Technology Officer of

Government e-Marketplace (GeM) had motivated the students to participate in such events to enhance their technical skills. He also emphasized on planning, mentioned that if you decide on something and if you have strong determination nothing is impossible. He discussed about the role of AI in Viksit Bharat and how we can

include AI and technology in our life and career.

HACKATHON-2K25 was specifically intended for students to test their knowledge and skills by participating in various IT events which not only provide academic excellence but also helps in redefining their personality. There were 5 events

1. Bug Sense (AI-Powered Hunt)
2. DeCodeX (The Reverse Blind Coding)
3. Code Red (IT Gaming)
4. Query Quest (Break the Query)
5. IoTVerse (Connect & Innovate)

The events were concluded with the valedictory session in which Dr. Pooja Rastogi Director IMSUC along with HOD Computer sciences and Faculty coordinators. The winners were congratulated and were presented with the trophies and prize money. The winners had received the trophy, certificate and cash prizes.



MOTHER: Where Love Begins And Never Ends

Anjali Singh

New Delhi: A mother is not just the one who gives us life—she is the gentle force that shapes our souls. Her love is quiet yet powerful, felt in every warm meal, every whispered encouragement, every sacrifice made without a second thought. She carries the weight of our worries as if they were her own, all while holding the family together with grace and strength. Her embrace is the safest place in the world, her smile a light that brightens even our darkest days. She is the first to believe in us and the last to ever give up. A mother’s love is timeless, selfless, and endlessly giving—a love where life begins and never truly ends.

Mother’s love is a quiet kind of strength—the kind that wakes up early and sleeps late, not for herself, but for the ones she loves. She carries the weight of the world on her shoulders, yet still finds time to smile, to comfort, to care. Her dreams often take a backseat so ours can fly freely.

She gives, not because she has plenty, but because her heart knows no limits. Every wrinkle on her face tells a story of sleepless nights, every calloused hand speaks of hard-earned love, and

“The Role of a Mother”

Skippping Meals So Her Children Can Eat

In many homes, especially during tough financial times, a mother will quietly skip her own meal to ensure her children are fed. She’ll smile and say she’s “not hungry,” hiding her hunger behind love and worry.

Working Multiple Jobs to Support the Family

Many mothers take on long hours or multiple jobs just to make ends meet, sacrificing sleep, comfort, and even time with their children so the family has what it needs—education, food, shelter, and opportunity.

Putting Her Dreams on Hold

Some mothers postpone or even give up on their own dreams—whether it’s finishing school, traveling, or starting a business—so they can prioritize raising their children or supporting a partner’s career.

Caring for a Sick Child Around the Clock

When a child is ill, a mother often becomes nurse, comforter, and guardian, staying up all night by the bedside, researching treatments, attending appointments, and never showing how exhausted or scared she may be.

Wearing the Same Clothes So Her Kids Can Have New Ones

She’ll wear worn-out shoes and repeat the same outfit for years just so her children can have uniforms for school, new winter coats, or that one dress they’ve been wishing for.

every quiet prayer is a wish for our happiness. Her sacrifices are silent, but her love echoes for a lifetime.

She wears her strength like a second skin—soft, enduring, and full of grace. A mother’s love isn’t loud or showy; it’s in the little things: the meals she cooks with tired hands, the gentle wake-up calls, the endless

patience when the world seems too harsh. She gives up comforts, time, and even her own needs, often without us even knowing. Yet she asks for nothing in return but our happiness. Her love is the kind that holds you when you fall, forgives before you apologize, and never fades, even when unspoken. In

Mother: A Role Model, An Inspiration And Motivation

Siya Pandey

New Delhi: What does it mean to be a mother today? Gone are the days of a single, rigid parenting model—today’s moms navigate careers, technology, and evolving societal norms in ways past generations never imagined. Mary Kom, Kiren Bedi, Ghazal Alagh, Bela Bajoria are the strongest personalities, and they are mothers too. They say living your passion after becoming a mother is also good for your children because you become a role model, an inspiration, motivation for their own children.

“A person who do not have love cannot give love “this beautiful quote shows the importance of self-love in motherhood which in earlier times were not there where mothers were asked to give up so much of themselves to be a mother. These changes have become provident due to a long suppression of women in the society who wants take stand for themselves and



ensuring a good secure future for their child.

Motherhood brings about a profound emotional transformation in women. The love they develop for their child surpasses any career aspiration, reflecting the most beautiful and pure evolution — a heartfelt transition from girlhood to the sacred bond of motherhood."

New mothers go through a lot of mental and physical changes that perhaps causes them postpartum depression etc. Words like MOM poster syndrome, The MOM haircut, the MOM bread, MOM's envy and depleted mother syndrome are different kind of issues that effects new mothers. Why is it everytime that the mother must care for everyone? Why do we forget that a mother also needs to be cared of? Mothers must care for themselves and even if they do not it is the responsibility of other family members to take care of them, to show them love care that they deserve and especially” respect”.

simply part of who she is. She puts our needs before her own, our dreams above her comfort, and our future above her fears. And though the world may not always see her quiet battles, her love remains the foundation on which we stand strong.

These are the silent stories of love and sacrifice that happen every day, often

unnoticed—but never unimportant.

No poem, no pen could truly convey, the power of love she shows every day.

So today I whisper, in words sincere—“Thank you, Maa, for always being near.” You’re not just a mother, you’re my heart’s light, turning my darkness into endless bright.



Manya Joshi

Movie Review: Kesari-2



Manya Joshi
Release date: 18th April 2025
Director: Karan Singh Tyagi
Distributed by: AA films
Production: Dharma Productions Leo Media Collective
Cape of Good Films
Based on: the Jallianwala Bagh Massacre, which took place on April 13, 1919.
Music: Shashwat Sachdev and Kavita Seth–Kanishk Seth, lyrics written by Irshad Kamil.
Box office collection: ₹70.7 crore at the worldwide box office, of which ₹20 crore was collected overseas. It has earned a gross of ₹50.7 crore in India.
Certificate: A

Kesari 2 delivers a powerful continuation of the legacy, driven by stellar performances. Debut film of director Karan Singh Tyagi stole the show as it was packed with great cinematography and screen play .The film’s cinematography and scale are impressive, capturing the patriotic spirit beautifully. However, the background score falters at times, failing to match the emotional highs of certain moments. Akshay Kumar is once again commanding and heartfelt, embodying bravery with emotional depth. Ananya Panday is a pleasant surprise—graceful and emotionally grounded, she holds her own amid veterans. R. Madhavan brings gravitas and quiet intensity, elevating every scene he’s in. Despite this, the movie is a compelling watch, packed with emotion, action, and national pride. A worthy sequel.

Creative Corner

नारी शक्ति का वंदन



नारी शक्ति को नमन, क्योंकि आपसे ही है हमारा जीवन और जन्म।
आप जन्म लेती हो, तो घर में उदय होता है एक शक्ति का,
और जब आप जन्म देती हो, तो उदय होता है एक नई सृष्टि का।

माँ की ममता, बहन का प्यार और बेटी के रूप में मान हो तुम, जिस घर में बनके बहू आती हो, उस घर का बड़ा सम्मान हो तुम।

तुम हो वसंत, तुम हो बहार और राग मल्हार भी तुम्हीं से, तुम जीवन का हो आधार, यह जीवन है तुम्हीं से।

आपके बिना यह सृष्टि अधूरी है, जीवन का हर नियम अधूरा है, आप बढ़कन हो हर दिल की, आपके बिना हर पल अधूरा है।

यह दिन तो केवल एक माध्यम है, आपके वंदन के लिए, यत्र, तत्र, सर्वत्र है आपकी महिमा, इस सृष्टि में आपकी योगदान के लिए।

Sportify



Rishabh

IPL Youngest debutants Vaibhav Suryavanshi makes history



Vaibhav Suryavanshi a 14 year old cricket prodigy from Bihar has made history by becoming the youngest player to debut in the Indian Premier league (IPL) .On 19 April 2025 playing for the Rajasthan royals against the Lucknow super giants Suryavanshi opened his inning remarkable six of the first ball he faced he went on to score 34 on 20 ball , including three six and two four forming an 85 run partnership with Yasashvi Jaiswal .Despite the Royals narrowly losing the match by 2 runs .School boy Vaibhav Suryavanshi is in Dreamland at just 14 becoming the Youngest player in Indian premier league.

Yuzvendra Chahal takes first hattrick of season in match Vs CSK



Yuzvendra Chahal took the first hattrick of this season of the Indian Premier League when he snapped up 4 wickets in the same over against the Chennai Super Kings on Wednesday. It happened in the 19th over which CSK’s captain MS Dhoni started with a six before falling to Chahal in the second delivery. New man Deepak Hooda would take 2 runs off the third delivery before he was caught by Priyansh Arya for just 2. Next came Anshul Kamboj who whose stumps were rattled by the PBKS bowler for 0. The last wicket of the hattrick was of Noor Ahmad who tried to take on Chahal and just holed out to Marco Jansen in the deep for another duck. Chahal (4/32) was the was the most successful bowler for PBKS. Punjab kins won by match 4 wickets. Yuzi chahal has taken twice hattrick in IPL career first hattrick Yuzi taken against KKR this time Yuzi chahal part of Rajasthan royal team.

Mascot and logo of Khelo India Youth Games 2025 to be held in Bihar



Bihar will host the seventh edition of Khelo India Youth Games 2025 from 4th to 15th May. Minister Narendra Modi will inaugurate the Khelo India Youth Games 2025 in Patna on May 4. The games will be organized at various cities including Patna, Gaya, Rajgir, Begusarai and Bhagalpur. Chief Minister Nitish Kumar and Union Sports Minister Dr. Mansukh Mandaviya unveiled the mascot and logo of Khelo India Youth Games 2025. The mascot Khelo India will be “Gajsimha” which symbolizes the power of elephant and heart of lion. The mascot has been derived from the archival heritage of Pala dynasty from Nalanda and Bodhgaya engraved on temples and their pillars. The logo of KIYG 2025 has been inspired from the rich cultural heritage of Bihar and the colors orange and depicts enthusiasm and nature.

The Fall of Chepauk's Fortress



Chennai Super Kings (CSK), once the indomitable force at their home ground Chepauk, find themselves in unfamiliar territory. Their fortress has crumbled under the weight of poor form and tactical misfires. Losses to Kolkata Knight Riders and Royal Challengers Bengaluru have not only dented their playoff hopes but also shaken fan confidence. MS Dhoni’s return as captain brought hope, but even Thala couldn’t reverse the slide. The Men in Yellow now look toward 2026, hinting at a major rebuild. Even then, CSK had won five matches at Chepauk in 2024 when they finished with a total seven victories. But I don’t think it necessarily comes down to just Chepauk. I think it’s just the way we’ve played in general. We’ve made too many mistakes with bat and ball and in the fielding.

इतिहास के कदम

सचिता मुखर्जी

समाज की रीढ़ मानी जाती थीं पारिवारिक परंपराएं

वैदिक काल में पारिवारिक परंपराएँ समाज की रीढ़ मानी जाती थीं। परिवार को कुल कहा जाता था और यह वैदिक समाज की सबसे छोटी लेकिन सबसे महत्वपूर्ण इकाई थी। उस समय परिवार पितृ-सत्तात्मक होते थे, यानी परिवार का मुखिया पुरुष होता था, जिसे गृहपति कहा जाता था। गृहपति न केवल परिवार के आर्थिक और सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाता था, बल्कि धार्मिक क्रियाकलापों का संचालन भी करता था। वैदिक समाज में प्रत्येक व्यक्ति का एक निश्चित धर्म और कर्तव्य निर्धारित था, जिसे पालन करना उसका नैतिक दायित्व माना जाता था।

विवाह एक महत्वपूर्ण और पवित्र संस्कार था, जिसे केवल सामाजिक ही नहीं, बल्कि धार्मिक दायित्व के रूप में देखा जाता था। विवाह के समय अग्नि को साक्षी मानकर वैदिक मंत्रों के साथ यज्ञ संपन्न किया जाता था। विवाह के बाद स्त्रियाँ पति और ससुराल के प्रति समर्पित रहती थीं और घरेलू कार्यों के साथ-साथ धार्मिक कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाती थीं। उन्हें परिवार की संस्कृति और परंपराओं को अगली



पीढ़ी तक पहुँचाने का उत्तरदायित्व भी सौंपा गया था। शिक्षा भी पारिवारिक परंपरा का एक अभिन्न हिस्सा थी। बच्चों को प्रारंभ में माता-पिता से नैतिक शिक्षा दी जाती थी, और बाद में पुत्रों को गुरुकुल भेजा जाता था, जहाँ वे गुरु के संरक्षण में वेदों, संस्कारों और जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त करते थे। उपनयन संस्कार के माध्यम से बालक को विद्यार्थी के लिए तैयार किया जाता था।

इसके अतिरिक्त, परिवार में अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्कार होते थे जैसे – नामकरण, अन्नप्राशन, उपनयन, विवाह और अंत्येष्टि संस्कार। पूर्वजों का सम्मान

श्राद्ध के माध्यम से किया जाता था। हर दिन सूर्य और अग्नि की पूजा, ऋतु-पर्याय त्योहारों का आयोजन, यज्ञ और हवन, ये सभी पारिवारिक परंपराओं का हिस्सा थे। इन परंपराओं ने न केवल वैदिक समाज में अनुशासन और नैतिकता को बनाए रखा, बल्कि परिवारों को एकजुट और सुसंस्कृत बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज हमारा समाज में नैतिकता का बहुत तेजी से अवमूल्यन हो रहा है, ऐसे में वैदिक काल से न केवल प्रेरणा लेने की आवश्यकता है बल्कि उन परंपराओं को आज अनुसरण करने की भी जरूरत महसूस हो रही है।